Report

Date: 18-09-19

Today “Scientific & Polemic Society” in collaboration with “Chemical Society” organized a lecture on “Science and scientific temperament” in college auditorium. The lecture was delivered by Mr. Varun Kumar, Assistant Professor of Mathematics at Satish Chandra Dhawan Govt. College Ludhiana.
Function Was Inaugurated by the Vice Principal Mrs Bharti Bagra. Guest of Honor was presented to HOD Chemistry Department Mrs. Bharti Sharma.

Dr. Sandeep Chauhan, Associate Professor of Chemistry and President of Scientific & Polemic Society started the function by giving brief introduction of both the societies and of the Resource Person. He also explained the relevance of Science and Scientific Temperament in the society with examples. After that he invited Mr Varun for the lecture.

Mr.Varun presented his lecture in very innovative and interacting way. He explained temperament with examples which we encounter in our day to day life. His lecture helped many students in building scientific temperament and critical dielectric thinking.
After that an open session was organised in which Mr Varun answered the questions of the audience.

Three students and two teachers gave feedback on the lecture. Dr. Sandeep Chauhan expressed happiness and satisfaction over the overwhelming number of students present and pin drop silence during the whole lecture i.e. three hours.

On this occasion many professors of the college including Sh. Yogesh Sood, Mrs. Rita Chandel, Dr. Surender Chauhan, Dr. Nidhi Dhatwalia, Mrs. Shivani Keprate, Mrs. Preeti Negi, Mr. Sandesh Kalta, Mr. Mrityunjay Sharma, Mr. Shubham Chaudhary, Mr. Abhishek Thakur, Dr. Kishori Chandel and Dr. Brij Mohan were present.

At last Mrigank on behalf of both societies proposed the vote of thanks. The event ended national anthem.

अंधविश्वास को बढ़ावा देने के बजाय वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझा जाए

सिटी रिपोर्टर | शिमला

संजौली कॉलेज में विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर पर कार्यशाला करवाई गई

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज संजौली में विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर पर कार्यशाला करवाई गई। कॉलेज की साइंटिफिक एंड पॉलीमर सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लुधियाना से आमंत्रित प्रोफेसर वरुण कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में संपूर्ण मानव जाति के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपरिहार्य है। इसलिए सभी को अपने हरेक क्रियाकलाप के मूल में समाहित विज्ञान को पहचानने की दृष्टि विकसित करनी चाहिए। लोगों को मनगढ़ंत विचार को समर्पित कर अंधविश्वास नहीं बढ़ाना चाहिए। उन्होंने भारतीय समाज की रोजमर्रा की अनेक घटनाओं और कार्य शैलियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अनदेखी किए जाने के अनेकों उदाहरण प्रस्तुत कर श्रोताओं को आत्मचिंतन व स्वालोकन करने पर मजबूर कर दिया। लगभग तीन घंटे चले इस कार्यक्रम में लगभग 500 के करीब स्टूडेंट ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. संदीप चौहान ने कहा कि छात्रों की भारी संख्या में इस कार्यक्रम में भागीदारी और अनेकों प्रतिभागियों द्वारा विशेषज्ञ से सवाल पूछे गए। सभी श्रोताओं, विशेषकर छात्रों ने इस कार्यशाला का भरपूर आनंद लिया और आयोजकों से ऐसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक कार्यक्रम भविष्य में भी बार बार करवाने का आह्वान किया।

9:57 29%

← Centre of Excellence, Governmen...

उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की साइंटिफिक एंड पॉलिमर सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लुधियाना से आमंत्रित प्रोफेसर वरुण कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। अपने उद्बोधन में डॉ वरुण ने कहा कि आज के समय में सम्पूर्ण मानव जाति के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपरिहार्य है इसलिए सभी को अपने हरेक क्रियाकलाप के मूल में समाहित विज्ञान को पहचानने की दृष्टि विकसित करनी चाहिए, ना कि उन्हें किसी अज्ञात अथवा मनगढ़ंत विचार को समर्पित कर अंधविश्वास नहीं बढ़ाना चाहिए। उन्होंने भारतीय समाज की रोज़मर्रा की अनेक घटनाओं और कार्य शैलियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अनदेखी किए जाने के अनेकों उदाहरण प्रस्तुत कर श्रोताओं को आत्मचिंतन व स्वावलोकन करने पर मजबूर कर दिया। महाविद्यालय सभागार में आयोजित लगभग तीन घंटे चले इस कार्यक्रम में लगभग पांच सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ संदीप चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों की भारी संख्या में इस कार्यक्रम में भागीदारी और अनेकों प्रतिभागियों द्वारा विशेषज्ञ से सवाल जवाब किया जाना अयोजन की सफलता स्वयं बयान करते हैं। सभी श्रोताओं, विशेषकर विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला का भरपूर आनंद लिया और आयोजकों से ऐसे ज्ञानवर्धक व प्रेरणादायक कार्यक्रम भविष्य में भी बार बार करवाने का आहवान किया। प्राचार्य डॉ चंद्र भान मेहता ने उद्दीप्तिकारक कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए साइंटिफिक एंड पॉलिमर सोसायटी की प्रशंसा की।

Commenting as Centre of Excellence, Government College, Sanjauli - H.P.

GIF